तू कर बंदगी और भजन धीरे धीरे मिलेगी प्रभु की शरण धीरे धीरे Bhajans Bhakti Songs

तू कर बंदगी और भजन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण धीरे धीरे ।

दमन इन्द्रियों का तू करता चला जा ।
तो काबू में आएगा यह मन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

सुने कान तेरे सदा वेद वाणी ।
तू कर भागवत का श्रवण धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

सफर अपना आसान करता चला जा ।
तो छूटेगा आवागमन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

तू दुनिया में शुभ काम करता चला जा ।
तू कर शुद्ध अपना चलन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

मिलेगा तुझे खोज जिसकी है तुझको ।
धरम से जो होगी लगन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

कदम नेक राहों पर धर्ता चला जा ।
मिटेगा यह आवागमन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

छ्डक जल दया का तू सूखे दिलों पर ।
बसेगा ये उजड़ा चमन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

लगा मुख को प्याला तू सत्संग वाला ।
मिटा देगा दर्द कुहन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

कोई काम दुनिया में मुश्किल नहीं है ।
जो करते रहोगे यतन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

दमन इन्द्रियों का तू करता चला जा ।
बना शुद्ध चाल चलन धीरे धीरे ।
मिलेगी प्रभु की शरण...

गुरु सेवा तेरी, तेरी देश भक्ति ।
उठाएगी तेरा वतन धीरे धीरे ।

Source:
https://www.bharattemples.com/tu-kar-bandagi-aur-bhajan-dheere-dheere-milegi-prabhu-ki-sharan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw